मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

निःस्वार्थ भाव से सेवा

■ अशोक लव

स्थानीय मोहयाल सभाएँ अपने–अपने क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। कुछ बहुत सक्रिय हैं, कुछ कम सक्रिय हैं, कुछ किन्हीं कारणों से सक्रिय नहीं हो पा रही हैं। वास्तव में स्थानीय मोहयाल सभाओं की मोहयाल समाज की सेवा में सबसे अधिक भूमिका होती है। वे अपने–अपने क्षेत्र के एक–एक मोहयाल के संपर्क में रहती हैं। उसके पदाधिकारी स्थानीय मोहयालों के सुख–दुःख में शामिल होते हैं। जो मोहयाल आर्थिक रूप से कमज़ोर हैं, स्थानीय मोहयाल सभाएँ स्वयं या जनरल मोहयाल सभा के माध्यम से उनकी सहायता करती हैं। ज़रूरतमंद विद्यार्थियों, विधवाओं आदि की सहायता जी.एम.एस, स्थानीय सभाओं के माध्यम से करती है। जो आवेदन जी.एम.एस. के पास आते हैं उन्हें भी भरसक सहायता दी जाती है। ज़रूरतमंदों को चिकित्सा के लिए भी सहायता दी जाती है।

स्थानीय मोहयाल सभाओं के पदाधिकारियों के चुनाव समय–समय पर होते रहते हैं। इनकी व्यवस्था स्थानीय सभाएँ स्वयं करती हैं। वही अपने चुनाव–अधिकारी चुनती हैं जो निष्पक्ष रूप से चुनाव कराते हैं। स्थानीय मोहयाल सभाओं के चुनावों में जी.एम.एस. के पदाधिकारी किसी भी रूप में दखल नहीं देते। दशकों से ऐसा होता आया है।

स्थानीय मोहयाल सभाओं का गठन अपने–अपने क्षेत्र के मोहयालों में भाईचारा बनाए रखने, मोहयाल संस्कृति को ज़िंदा बनाए रखने, एक–दूसरे के सुख–दुःख में शामिल होने और आपसी एकता बनाए रखने के लिए किया गया था। यह परंपरा चली आ रही है और चलती रहनी चाहिए। ऐसे मोहयाल जिनके मन में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने का इच्छा होती है वे आगे आकर स्थानीय मोहयाल सभाओं के द्वारा सेवा कार्य करते हैं। ऐसे सैकड़ों मोहयालों के कारण ही मोहयाल संस्कृति जीवंत है।

गत कुछ समय से स्थानीय सभाओं के चुनावों को लेकर अनेक अशोभनीय बातें सामने आई हैं। एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाए जाने लगे हैं। जनरल मोहयाल सभा की प्रबंधक–समिति और पदाधिकारियों पर भी आरोप लगाए जाने लगे हैं। यह दुखद और पीड़ाजनक है। निःस्वार्थ सेवा करने और राजनीति करने में ज़मीन–आसमान का अंतर है। मोहयाल सभाओं के माध्यम से अपने समाज की सेवा करना ही एकमात्र उद्देश्य होना चाहिए। पदाधिकारी बनने के लिए सभी प्रकार के ओछे हथकंडे अपनाना, एक–दूसरे पर आरोप लगाना, चरित्र–हनन करना यह मोहयाल संस्कृति नहीं है।

मोहयाल इतिहास में उनके नाम स्वर्णाक्षरों में लिखे हुए हैं जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा की है, देश की सेवा की है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करके मोहयालों का नाम रोशन किया है। ऋषियों के वंशज होने का साक्षात् प्रमाण दिया है। समाज–सेवा और स्व–सेवा में बहुत अंतर है। स्व तक सीमित व्यक्ति समाज को क्या देगा? कुर्सियों और पदों की दौड़ में महान मोहयाल संस्कृति की मर्यादाओं का उल्लंघन हमेशा निंदनीय रहा है। आज देश के विभिन्न नगरों में मोहयाल प्रशंसनीय ढंग से सेवा कार्य कर रहे हैं। बहुत थोड़े–से, मुट्ठी भर लोगों के कार्य समस्त मोहयालों की छवि धूमिल कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य होना चाहिए अपनी क्षमतानुसार, अपनी योग्यतानुसार, अपने संसाधनों के अनुसार समाज के उन लोगों की सेवा करना जिन्हें हमारी ज़रूरत है। ऐसे अनेक मोहयाल हैं जो वर्षों से विनम्रतापूर्वक, बिना नाम की इच्छा के, मोहयालों की सेवा करते आ रहे हैं।

यदि हमारा लक्ष्य समाज की निःस्वार्थ सेवा करना होगा तो हमारी कार्य–शैली में विनम्रता, सत्यता और ईमानदारी होगी। इन्हीं महान लक्ष्यों को सामने रखकर स्थानीय मोहयाल सभाओं के माध्यम से तथा अन्य माध्यमों से यथाशक्ति सेवा कार्यों में तल्लीन रहना चाहिए। इसके साथ–साथ उनसे भी सतर्क रहना चाहिए जो महान मोहयाल संस्कृति की अविरल बहती पावन धारा को दूषित करने का प्रयास करते हैं।

जय मोहयाल!

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सारा दत्ता उर्फ पीहू के आठवें जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

दिनांक 19.01.2014 को पीहू दत्ता पुत्री श्रीमती शिल्पी एवं अमित दत्ता पौत्री श्रीमती सुमन एवं एस.पी. दत्ता (आगरा) का आठवाँ

जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ सभी परिवार वालों द्वारा मनाया गया। जैसा कि वह हर वर्ष अपने जन्मदिन पर पेड़ लगाती है, उसी परम्परा को कायम रखते हुए, प्रातः पीहू ने दरी वालों की बगीची ताजगंज में अपने आठवें जन्म–दिवस पर आठ पेड़ लगाए। पीहू के जन्मदिवस पर उसकी सहपाठी, मामा–मामी, नाना–नानी, चाचा–चाची, आन्या व सभी बुआओं ने बहुत–बहुत शुभकामनाएँ दीं। पीहू के पापा के मित्र भी सपरिवार इस अवसर पर शामिल हुए और पीहू को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इसी बीच शाम को बच्चों ने कुर्सी–दौड़ व डांस आदि के प्रोग्राम किए, जिसमें सबने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस उपलक्ष्य पर पीहू के दादी–दादा ने मोहयाल सभा आगरा व जी.एम.एस. को 100–100 रुपए शिक्षा निधि में सधन्यवाद प्रदान किया। *–एस.पी. दत्ता, सह–सचिव आगरा, मो. 9897455755*

हमें वृंदावन आश्रम पर मान है

■ **भाई विनोद दत्ता वीरमशाही**

मैं भाई विनोद दत्ता वीरमशाही अपनी पत्नी अनीता तथा साली नीलम दत्ता और साढू के साथ प्रयाग की त्रिवेणी में स्नान करके एक फरवरी को मथुरा पहुँचे। मथुरा, गोकुल, बरसाना, नंद गाँव के दर्शन किए। अपने पिता वेद व्यास दत्ता जी से वृंदावन आश्रम का पता पूछकर रात को वहाँ ठहरे। हम अपने आपको बड़ा सौभाग्यशली मानते हैं कि हमारा जन्म मोहयाल कुल में हुआ। मेरे माता–पिता, दादा–दादी सब समर्पित मोहयाल थे। हमें विरासत में मोहयाली मिली है।

इससे पहले मैं बच्चों के साथ दिल्ली में प्रतिभाशाली विद्यार्थी समारोह में गया था। वहाँ रायज़ादा बी.डी. बाली जी, ओ.पी. मोहन जी, अशोक लव जी, डी.वी. मोहन जी से मिलकर हमें बहुत खुशी हुई थी। इसमें कोई शक नहीं है कि देश में मोहयालों का बड़ा ऊँचा स्थान रहा है। रायज़ादा बी.डी. बाली जी के युग को हम अपना स्वर्ण–युग मानते हैं।

मोहयाल आश्रम वृंदावन किसी शानदार पाँच सितारा होटल से कम नहीं है। हमारा बड़ा स्वागत किया गया। हम बड़े आराम से अलग–अलग कमरों में रहे। भोजन बहुत स्वादिष्ट था। सुबह नाश्ता करके वृंदावन देखने गए। हमें गर्व है कि हम अपने मोहयाली परिवार के भवन में ठहरे। यहाँ बिताए दिन ज़िंदगी भर याद रहेंगे। *–दत्ता मेडिकल हॉल, मेंढर पूंछ, जम्मू–कश्मीर–185211*

साधू ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय!

आज के दौर में जिस प्रकार समाज का स्वरूप देखने को मिल रहा है, ऐसे में उपरोक्त विषय पर ध्यान देना अति आवश्यक हो गया है। आज की शिक्षा प्रणाली की आधुनिकता ने जहाँ एक ओर चाँद तक पहुँचने का मार्ग दिखाया है, वही दूसरी ओर हम देख रहे हैं कि चलचित्र, मोबाइल, पश्चिमी सभ्यता की होड़ में बह रहे समाज के कुछ वर्ग कुमार्ग या कह सकती हूँ कि सब कुछ जल्दी पाने के लिए, सभी तरह की संभावनाओं को लाँघकर अपने पारिवारिक, सामाजिक,

राष्ट्रीय मूल्यों को भूलकर पतन का रास्ता अपनाए हुए हैं। नैतिक मूल्यों का ग्राफ नीचे गिरता जा रहा है।

ऐसे में माता–पिता एवं गुरू ही सहायक हो सकते हैं। सत्मार्ग को पाने के लिए अच्छी संगति अति आवश्यक है। यह सब हमें या व्यक्ति विशेष को गुरु या साधू ही अपने निस्वार्थ, विवेकशील आचरण द्वारा सही मार्गदर्शक का रूप ले सकते हैं। ऐसे में कहना सही है कि साधू और सूप को तुलनात्मक रूप से देखा जा सकता है। जिस प्रकार सूप अनाज व अन्य खाद्य पदार्थों में से ककड़, मिट्टी को छानकर, उसको साफ कर पकाने लायक बना देता है, उसी तरह साधू या गुरु ने केवल बालक वर्ग की बल्कि समाज के प्रत्येक प्राणी को आध्यत्मिक कथाओं द्वारा, अपने शुद्ध व पवित्र आचरण तथा प्रवचनों द्वारा विवेकता का परिचय देते हुए, सत्संगति का महत्वउ बताते हुए, व्यक्ति विशेष के मानसिक विकारों को दूर कर उनके जीवन में सुमार्ग का दीपक जलाकर उसकी रोशनी में चलाने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसा उन्हें करना ही होगा।

निश्चय रूप से यह कहूँगी कि यह जीवन का व्यवहारिक अध्ययन है। इसमें भी आनन्द आता है लेकिन इस आनन्द का गतिशील रहना आवश्यक है क्योंकि मन चंचल होता है, कुछ क्षण के लिए भटक जाए तो उसे संभाला जा सकता है, लेकिन गुरु शिक्षा पर अमल कर, सत्संगति में रहना, प्रबंधकों को जीवन में लाना, योग तथा व्यायाम द्वारा अपने मानसिक तथा शारीरिक विकास को बनाए रखना एक निजी प्रयास द्वारा ही सम्भव है। उपरोक्त विचारों को जीवन में लाकर भटकता मुसाफिर अपने गन्तव्य तक पहुँचने में सफल हो जाता है।

हे मानव रख इस बात का ध्यान,
नैतिक मूल्यों का न हो पतन,
अपने आदर्शों पर रहे ध्यान,
परिवार समाज तथा राष्ट्र का इसी में कल्याण।

***पूनम छिब्बर,** 346 निमडी कॉलोनी, अशोक विहार, फेस–4, दिल्ली मो. 9910426872*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

कुरूक्षेत्र

मासिक मीटिंग 9 फरवरी 2014 को श्री कृष्णलाल बाली के निवास पर श्री संतोष वैद प्रधान की अध्यक्षता में की। इसमें 25 सदस्य शामिल हुए।

शोकः स्वर्गीय श्री सुरेंद्र मोहन और सरदार वरिंदर सिंह बाली (बराड़ा) के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया गया, दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्री संतोष वैद प्रधान जी ने सबको जनरल मोहयाल सभा का सदस्यों को आजीवन सदस्य बनने और अन्य मोहयालों को सदस्य बनाने का अनुरोध किया। सदस्यों ने प्रधान जी की माता श्रीमती राजकुमारी वैद जी जो दो महीने से अस्वस्थ हैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्री कृष्णलाल बाली जी ने अपने सुपुत्र श्री विशाल बाली के जन्म–दिवस के शुभ अवसर पर सभा को 1100 रुपए भेंट किए। श्री प्रेम दत्ता ने अपने सुपुत्र श्री गौरव दत्ता के विवाह के अवसर पर 1100 रुपए भेंट किए। उन्होंने सबको मिठाई भी खिलाई। श्रीमती आभा वैद और श्री महेश वैद ने अपने विवाह की 22वीं वर्षगाँठ के अवसर पर सभा को 500 रुपए भेंट किए।

उपस्थित सदस्यों ने श्री कृष्णलाल बाली, श्री प्रेम दत्ता और श्री एवं श्रीमती आभा वैद को बधाई दी। श्री कृष्णलाल बाली ने सदस्यों को जलपान कराया।

–संतोष वैद, *प्रधान*
मो. 09813790076

देहरादून

दिनांकः 2 फरवरी 2014
स्थलः मोहयाल भवन देहरादून
उपस्थितः 22
अध्यक्षताः श्री राजेश मोहन

सभा के पूर्व सचिव श्री लाल मेहता जी को 31 जनवरी को स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त होने पर बधाई दी गई, उनका व उनकी पत्नी का स्वागत पुष्पगुच्छ के साथ किया गया। इसी के साथ सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री एन.के. दत्ता को उनकी शादी की 43वीं सालगिरह पर सभी सदस्यों ने बधाई दी व प्रधान राजेश मोहन ने उनका स्वागत पुष्पगुच्छ के साथ किया व उनकी व उनकी पत्नी श्रीमती प्राण कला दत्ता स्वस्थ एवं दीर्घ आयु की कामना की। श्री एन.के. दत्ता जी ने इस अवसर पर देहरादून सभा को 500 रुपए दान दिए। श्री अनिल कुमार दत्ता जोकि इन दिनों अस्वस्थ चल रहे हैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सभी मोहयाल बन्धुओं ने मिलकर मोहयाल प्रार्थना की।

शोक प्रस्तावः सभा की ओर से श्रीमती छिब्बर जी किशननगर और श्री इन्दर जीत दत्ता जी के निधन पर शोक प्रस्तावित किया गया तथा दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बक्शी लक्ष्मींदर छिब्बर, चौ. भूपिंदर कुमार दत्ता, यशवंत दत्ता व श्री गिरिश कुमार बक्शी ने जी.एम.एस. को 2100–2100 रुपए देकर आजीवन सदस्यता ग्रहण की।

मीटिंग का मुख्य एजेंडा मोहयाल यूथ कैंप था इसका सफल बनाने के लिए सभी ने अपने–अपने सुझाव दिए तथा श्री प्रमोद मेहता, श्री तरुण मोहन की समिति गठित की जो यूथ कैंप में शामिल होने वाले यूथ की सूची बनाए व उनके जाने कि व्यवस्था करें। यशवंत दत्ता ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

–यशवंत दत्ता, *जन. सेक्रेटरी*
मो. 09358321592

महिला मोहयाल सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 10 नवंबर को दत्ता फूड जंक्शंन में हुई। मोहयाल प्रार्थना के बाद गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया। कार्यकारिणी की कोषाध्यक्ष श्रीमती नीता मोहन जी के बड़े भाई श्री बी.के. दत्ता जी की धर्म पत्नी सुमित्रा दत्ता जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। सभा में दस महिलाओं ने भाग लिया। सभी ने विचार रखा कि हमें नया साल मिलकर मनाना चाहिए।

सभी भाई बहनों को नया साल मुबारक होः– सभा की मासिक मीटिंग 22 दिसम्बर को दत्ता फूड जंक्शन में हुई। जिसमें 15 महिलाओं ने भाग लिया। मीटिंग में सविता मेहता वैद ने सबको बताया कि 31 ता. को हम सभी नया साल मिलकर मनाएंगी। इस अवसर पर सभी सपरिवार पहुँचने की कृपा करें। 31 दिसम्बर को सभी ने मिलकर नए साल का स्वागत किया। जिसमें बच्चों व महिलाओं के खेल का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। वरिष्ठ महिलाओं के शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सबने बढ़कर अपना योगदान दिया। लक्खविंदर छिब्बर ने 5100 रु., ललिता दत्ता 2100 रु., सविता मेहता 2100रु. रीटा मेहता 1100 रु., इन्दु दत्ता 1100 रु., सुनीता मोहन 501 रु. नीता मोहन 501 रु., अनीता बक्शी 501 रु., दीपिका मोहन 501रु. आरती दत्ता 501 रु., संगीता दत्ता 501 रु. और एम.एम. मेहता 151 रु. दिए।

ललिता दत्ता जी ने अपनी बेटी और दामाद की शादी की दसवीं सालगिरह पर महिला मोहयाल सभा को 501 रु. दिए। अंत में सभा की तरफ से भोजन की व्यवस्था की गई।

–सविता मेहता वैद, *सचिव (मो. 9837511348)*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 2 फरवरी 2014 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 35 भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद।

शोकः– श्री अनिल वैद 5 एफ/22 जिनके सुपुत्र अनमोल का अकस्मात निधन हुआ। श्रीमती कमला मेहता के पति स्व. श्री कृष्ण कुमार मेहता 1607, सेक्टर 28, का निधन हुआ। दोनों दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई व सभी को 20 अप्रैल 2014 को होने वाले 'Talent Show' के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने सभी मोहयालों को आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को प्रोत्साहित करें और वे अपनी किसी प्रकार की कला को वहाँ प्रदर्शित करें। सभी भाग लेने वाले बच्चों को बिरादरी की ओर से प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिया जाएगा।

सभा में पहली बार आए श्री हर्ष बख्शी वैद, सेक्टर–9, व श्री अनुज बाली सेक्टर–14 ने अपना परिचय दिया व उपस्थितजन ने तालियों से उनका स्वागत किया।

चर्चा के दौरान श्री बाली जी ने कुरूक्षेत्र व कटरा में भी 'मोहयाल भवन' होने की बात कही जिसका सभी ने समर्थन किया व अंत में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि कुरूक्षेत्र व कटरा में मोहयाल भवन बनवाने का सुझाव जी.एम.एस. के समक्ष रखा जाए। प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने कहा कि अगर कुरूक्षेत्र व कटरा में भवन का निर्माण होगा तो वे अपनी ओर से एक–एक कमरे की राशि भेंट करेंगे।

श्रीमती बाला बाली जी ने व श्रीमती आशु वैद ने सुंदर भजन गाकर वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया। बलराम दत्ता जी ने सभी से आग्रह किया कि जीएमएस के लाइफ मैम्बर बनें, उन्होंने मैम्बर बनने के लाभ बताए।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्रित की– श्री के.एन. बाली जी 1100 रु., श्री कमला मेहता जी अपने पति स्व. श्री के.के. मेहता की याद में 500 रु., श्री आर.सी. दत्ता ने 500रु. श्री सतीश दत्ता, श्री बी.एस. मेहता व श्रीमती बाला बाली ने 100–100 रु. सभा को भेंट किए।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी उपस्थितजनों को श्री प्रमोद दत्ता व श्रीमती पिंकी दत्ता जी की शादी की सालगिरह जोकि 26 फरवरी को है, के बारे में बताया। सभी ने उनको मुबारकबाद दी व सुखी विवाहित जीवन की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर श्री प्रमोद दत्ता व श्रीमती पिंकी दत्ता जी की ओर से स्वादिष्ट लंच का प्रबंध किया गया था, जिसका सभी ने आनंद लिया।

अंत में प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने सभी उपस्थितजनों को सभा में आने के लिए धन्यवाद किया।

अगली मीटिंग 2 मार्च को मोहयाल भवन में आयोजित होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो. 9999078425

रायज़ादा के.एस. बाली, *जन. सैक्रेटरी*
मो. 9899068573

श्री रमेश दत्ता सम्मानित

गणतंत्र–दिवस के अवसर पर श्री रमेश दत्ता जी, प्रधान मोहयाल सभा फरीदाबाद, को 'हरियाणा नव निर्माण मंच' की ओर से आयोजित गणतंत्र–दिवस समारोह में मुख्य–अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर श्री रमेश दत्ता जी ने तिरंगा फहराया व रंगारंग कार्यक्रम के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के अवसर पर Friends Social Worker's Association (Regd.)] Market No.5 में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर एसोसियन के प्रधान श्री दौलतराम चड्डा जी व पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री ए.सी. चौधरी जी ने श्रीमती सुमन दत्ता व श्री रमेश दत्ता जी को स्मृति–चिह्न व शॉल देकर सम्मानित किया।

–सुरजीत मेहता, *उपप्रधान, मोहयाल सभा फरीदाबाद*
मो. 9818107737

पावंटा

दिनांकः 05.01.2014
स्थानः निवास श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान) मै. सूरज ट्रैक्टरज, वार्ड नं–1 सामने वालिया पैट्रोल पम्प, भॉटा वाली, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर हि.प्र.।
अध्यक्षताः श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान)
उपस्थितः 35

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई व सभी ने अपनी सहमति प्रगट की।

शुभ समाचारः श्री राकेश बाली व श्रीमती मंजू बाली के बेटे श्री वैभव बाली जी की बी.टेक करने के बाद इन्फोसिस (बैंगलुरु) में नियुक्ति हुई है। इस अवसर पर बाली परिवार ने मोहयाल सभा पाँवटा साहिब को 251 रु. भेंट किए। सभा की तरफ से श्री वैभव बाली की नवनियुक्ति व जन्मदिवस के अवसर पर बाली परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ।

सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया कि मोहयाल सभा पाँवटा

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

साहिब में स्थायी कार्यालय की आवश्यकता है। जिसके लिए प्रधान श्री सूरज प्रकाश बाली जी ने कार्यालय के लिए स्थान उपलब्ध कराया है, जहाँ पर कि कार्यालय स्थापित कर दिया गया। मोहयाल सभा पांवटा साहिब का पता निम्नलिखित रहेगाः–

मै. सूरज ट्रैक्टर, वार्ड नं–1, मकान नं–232, सामने वालिया पैट्रोल पम्प, भाँटा वाली, पाँवटा, जिला सिरमौर (हि.प्र.)–173025
मो. 09318807392

सभा की अगली मीटिंग 2 फरवरी 2014 रविवार को श्री ज्ञान चंद बाली जी के निवास स्थान हाउसिंग बोर्ड कालोनी में होगी।

सभी सदस्यों ने श्री सूरज प्रकाश बाली जी को चाय–नाश्ते व सपरिवार उपस्थित सदस्यों को रात्रि–भोज के आयोजन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। शांति पाठ के साथ मीटिंग का समापन हुआ।

सूरज प्रकाश बाली, *प्रधान* ***अरूण छिब्बर,*** *सचिव*

प्रेमनगर–देहरादून

दिनांकः 05.01.2014
स्थानः श्री हर्षवीर मेहता, उपप्रधान, विंग नं. 6 प्रेमनगर, देहरादून
अध्यक्षताः श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान

मोहयाल प्रार्थना के साथ बैठक की कार्यवाही शुरू की गई। सभी सदस्यों को प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने नववर्ष 2014 की बधाई दी। श्री जे.एस. दत्ता जी कोषाध्यक्ष ने आय–व्यय का विस्तृत ब्यौरा दिया सभी ने इसका अनुमोदन किया।

श्री राजेश बाली, सचिव ने सभा को बताया कि उन्हें जीएमएस से विधवा पेंशन के तीन फार्म प्राप्त हुए उन्हें सम्बन्धित महिलाओं से भरवाकर वापिस पेंशन नियमतिकरण हेतु जीएमएस को भेज दिया जाएगा।

सभा का वार्षिक चंदा सर्वसम्मति से 120 रु. प्रति वर्ष से बढ़ाकर 200 रु. कर दिया गया है। सभी सदस्यों को 'मोहयाल मित्र' पत्रिका मंगवाने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने तत्काल "मोहयाल मित्र" पत्रिका मंगवाने के लिए 200 रु. जमा करवाए।

अंत में श्रीमती एवं श्री हर्ष वीर मेहता को जलपान का आयोजन करने पर धन्यवाद दिया।

■ सभा की मासिक बैठक 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीयगान से आरम्भ की गयी। राष्ट्रीयगान श्री हर्षवीर मेहता, उपप्रधान के साथ सभी ने गाया मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई।

शोक प्रस्तावः सभा की ओर से श्रीमती कृष्णा छिब्बर पत्नी स्व. श्री शम्भू नाथ छिब्बर निवासी–किशन नगर, देहरादून, जो कि श्रीमती शालिनी बाली की नानी (पत्नी श्री रिपु दमन बाली) थी तथा श्री कमल रतन वैद के भतीजे (युवावस्था) के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्री राजेश बाली, सचिव ने गत मांग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा जे.एस. दत्ता कोषाध्यक्ष ने आय–व्यय का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। सभी ने इसका अनुमोदन किया। श्री डी.एन. दत्ता जी के दामाद श्री विपिन को उत्तराखंड में आई प्राकृतिक आपदा के समय उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत सरकार ने वायुसेना मैडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस खुशी में श्री डी.एन. दत्ता ने सभा को 500 रु. प्रदान किए तथा उपस्थित सदस्यों ने उनको बधाई दी।

हरिद्वार आश्रम के एक आयोजन में मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने विधवाओं को मिलने वाली आर्थिक सहायता 500 रु. से बढ़कर 750 रु. की थी तथा कहा कि 250 रु. स्थानीय सभा चाहे तो देकर विधवाओं को मिलने आर्थिक सहायता 1000 रु. कर सकती है। इस संदर्भ में हमारी सभा के विनम्र एवं धार्मिक प्रवृत्ति वाले हमेशा दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहने वाले श्री रमेश दत्ता जी ने घोषणा की कि वह तीनों जरूरतमंदा महिलाओं को 250 रु. प्रतिमाह अपनी ओर से मदद स्वरूप दिया करेंगे। सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ रमेश दत्ता जी की सराहना की तथा उन्होंने तीन महीने की राशि 750 रु. कोषाध्यक्ष को दे दी। श्री रमेश दत्ता जी ने भजन सुनाकर वातावरण को धार्मिक बना दिया।

वैशाखी मेलाः श्री प्रवेश दत्ता ने दिनांक 13.04.2014 को मालदेवता, देहरादून में वैशाखी मेला करने का सुझाव दिया इस बारे में संक्षिप्त विचार किया गया तथा पूरी व्यवस्था का जिम्मा श्री रमेश दत्ता तथा श्री बोनी बाली को दिया गया।

अंत में श्रीमती एवं श्री डी.एन. दत्ता जी को जलपान की व्यवस्था करने पर धन्यवाद दिया गया। सभा की अगली बैठक श्री राजेश बाली सचिव के निवास स्थान पर होने की सूचना दी गई।

–राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

अबोहर–पंजाब

मोहयाल सभा अबोहर की मासिक बैठक दिनांक 28.12.2013 को रायज़ादा श्री संजीव कुमार बाली जी के घर गाँव श्री केसरी सिंह पुर (राजस्थान) में मेहता विनोद कुमार भीमवाल एडवोकेट महासचिव की अध्यक्षता में हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात कार्यवाही शुरू की गई। रायज़ादा श्री बलदेव राज बाली ने सुझाव दिया कि हमें जीएमएस से लिस्ट मंगवानी चाहिए कि भेंट की राशि जनरल मोहयाल सभा दिल्ली (रजि.) किस–किस खाते में भेजी जा सकती है।

रायज़ादा संजीव कुमार बाली जी को जी.एम.एस. की आजीवन सदस्यता लेने पर बधाई दी। मोहयाल सभा की मासिक बैठक शांति पाठ के बाद संपन्न हुई। जलपान की व्यवस्था के लिए बाली परिवार के सभी सदस्यों का मो.सभा की कार्यकारिणी ने धन्यवाद किया।

■ सभा की बैठक 9.01.2014 को चीफ पैट्रन प्रथम श्री रामप्रकाश दत्ता के निवास स्थान श्री गंगानगर, राजस्थान में सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात मो. सभा की कार्यवाही शुरू की गई।

सभी सदस्यों को सूचित किया गया कि जी.एम.एस. द्वारा मो. मित्र का वार्षिक शुल्क 200 रु. किया गया है। इस पर कुछ सदस्यों ने वार्षिक सदस्य सहित बढ़े हुए मो. मित्र शुल्क सहित सभा को जमा करवाए। श्री अश्वनी दत्ता जी व मेहता ललित भीमवाल आजीवन सदस्य बनने पर बधाई दी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सभी सदस्यों को सूचित किया गया कि 13.01.2014 को मेहता विनोद कुमार भीमवाल एडवोकेट महासचिव मोहयाल सभा अबोहर में लोहड़ी का पवित्र पर्व बनाया जाएगा।

शांति पाठ के पश्चात सभा सम्पन्न हुई। सभा आयोजन व जलपान के लिए श्रीमती अनीता दत्ता जी व श्री सुनिल दत्ता एवं श्रीमती रेनू दत्ता व श्री प्रेमपाल दत्ता जी का सभी सदस्यों ने धन्यवाद किया।

■ मो. सभा अबोहर की विशेष बैठक लोहड़ी का पवित्र पर्व मनाने हेतू 13.01.2014 को मैहता विनोद कुमार भीमवाल जी महासचिव के निवास स्थान अबोहर में हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात लोहड़ी का पवित्र पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मोहयाल परिवारों द्वारा मनाया गया, तथा इस पर्व पर खूब खुशियां मनाई गई। आने वाले पर्वों के लिए परमात्मा जी से प्रार्थना की गई कि इसी प्रकार सभी मोहयाल भाई बहिन पवित्र पर्व मनाते रहे। ठीक इसी दिन पिछले वर्ष मोहयाल सभा अबोहर का गठन हुआ था। सभी सदस्यों ने निर्णय लिया कि कार्यकारिणी के सदस्य वे ही सुचारू रूप से कार्य करते रहे।

रात्री भोज के बाद सभी मोहयालों ने भीमवाल परिवार की बहुओं का धन्यवाद किया। शांति पाठ के बाद सभा सम्पन्न हुआ।

*–**मैहता विश्वमित्र भीमवाल,** प्रधान*
(मो.) 9780160085

नजफगढ़

फरवरी 2014 मास की बैठक दिनांक 02.02.2014 को प्रातः 10:30 बजे सभा प्रधान कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 11 बहन–भाई उपस्थित हुए। पिछले बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया व लेखे–जोखे का अनुमोदन किया गया।

युवा शिविरः प्रधान जी ने सूचित किया कि दिनांक 27.03.2014 से 29.03.2014 तक जीएमएस मोहयाल आश्रम वृंदावन परिसर में मोहयाल युवा शिविर लगा रही है। जो युवक/युवतियाँ इस शिविर में भाग लेना चाहते वे अपना नाम 28.02.2014 तक प्रधान जी को दे दें। कुछ सदस्यों ने बताया कि इतनी लंबी अवधि तक कार्यरत युवाओं को छुट्टी मिलने में कठिनाई आ सकती है। इसको उचित ठहराते हुए प्रधान जी ने बताया कि युवकों को सोचकर निर्णय लेने में एक मास का समय दिया गया है।

अप्रैल मास 2014 की बैठक में 6 अप्रैल को सभा के पदाधिकारियों के चुनाव होंगे। अतः इस बैठक में सभी सदस्यों का उपस्थित होना अनिवार्य है।

सदस्यता की नवीनीकरणः प्रधान जी ने सदस्यों से निवेदन किया कि वे अपनी सदस्यता का नवीनीकरण शीघ्र अति शीघ्र करवा लें। इस बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपनी सदस्यता का तुरन्त नवीनीकरण करवा लिया। इस पर प्रधान जी ने प्रसन्नता व्यक्त की।

सदस्यों की कम उपस्थिति को देखते हुए प्रधान जी ने असंतुष्टि व्यक्त की, और सभी सदस्यों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक सदस्य प्रत्येक बैठक में उपस्थित होने की कृपा किया करें।

भेंटराशिः प्रधान जी ने बताया कि सदस्यों से सभा के लिए भेंट राशि आनी कम हो गई है। इसलिए प्रधान जी ने सभी सदस्यों से प्रार्थना की कि वे सभा के सामाजिक कार्यों के लिए दान राशि अवश्य भेंट किया करें। इस विनती को स्वीकार करते हुए निम्न बहनों ने सभा में दान राशि भेंट की।

श्रीमती उषा बाली, न्यू रोशनपुरा नजफगढ़, श्रीमती सोनिका दत्ता, ईश्वर कालोनी, नजफगढ़ और श्रीमती राजरानी वैद, प्रेमनगर, नजफगढ़ सबने 50–50 रुपए भेंट किए।

मार्च 2014 की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली में दो मार्च को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन किया गया है।

*–**ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर,** प्रधान*
मो. 9210869406

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा की मासिक बैठक दिनांक 02.02.2014 को सभा के माननीय सदस्य श्री मनोज वैद के निवास स्थान पर हुई, जिसमें 30 सदस्यों ने भाग लिया। सर्वप्रथम भाई मतिदास जी के चित्र पर मलाएँ अर्पित की गईं एवं मोहयाली प्रार्थना के बाद जय मोहयाल के नारे लगाए गए।

दुःखद समाचारः सभा ने मोहयाल बराड़ा के संस्थापक एवं जीएमएस की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य सरदार वरिंदरपाल सिंह बाली के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित किए।

सभा ने श्री रविन्द्र कुमार वैद के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री वैद रेलवे में वरिष्ठ लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। दो मिनट मौन रखकर उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित किए गए।

सभा के सभी सदस्यों को जी.एम.एस. की गतिविधियों की जानकारी दी गई एवं जीएमएस की स्थाई सदस्यता तथा मोहयाल यूथ कैंप के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सभा प्रधान श्री सतपाल दत्ता एवं यूथ सचिव श्री अशोक बाली एवं सभा के पूर्व महासचिव मैहता दिलबाग राय जी लौ ने जीएमएस की आजीवन सदस्यता के लिए आवेदन किया।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा की कार्यवाही सम्पन्न हुई। सभा के आयोजक श्री मनोज वैद जी ने सभी को शानदार जलपान करवाया एवं मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को दान स्वरूप 251 रु. दिए। सभा के सभी सदस्यों ने मनोज वैद का धन्यवाद किया।

अंत में प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी ने सभा में आए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

मार्च माह की मासिक बैठक 02.03.2014 को सभा के सीनियर वाईस प्रधान श्री नरेश मेहता (मो. 09896735336) के निवास स्थान 260/26 नज़दीक बाईपास वीना नगर कैंप में होगी।

*–**सुरेन्द्र मेहता,** महासचिव*
(मो.) 9355310880

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में श्री अशोक कुमार बाली के घर पर माहिलपुर में हुई। सबसे पहले पाँच बार गायत्री मंत्र का पाँच बार पाठ किया गया। शशपिन्द्र बाली जी द्वारा इस बैठक का आयोजन किया गया था। होशियारपुर सभा के सदस्यों के माहिलपुर पहुँचने

पर उनका वहां पर उपस्थित मोहयाल भाई–बहनों द्वारा माला पहना कर बड़ी गर्म जोशी से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर एनआरआई सेल के प्रधान श्री जगदीश लाल मेहता तथा विजयंत बाली जी ने सभा को संबोधित किया तथा होशियारपुर सभा के साथ अधिक से अधिक भाई–बहनों को जुड़ने का अनुरोध किया। प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी ने एकत्र मोहयाल भाई बहनों को जीएमएस की गतिविधियों की जानकारी दी तथा सभा को अधिक से अधिक सहयोग देने को कहा।

इस अवसर पर मनोज दत्ता ने मोहयालों के इतिहास को बताते हुए पं. रखाराम बाली जी की शहीदी की याद दिलाई तथा उनके स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदान को याद किया। श्री शशपिन्द्र बाली, श्री अशोक बाली तथा नरिन्द्र कुमार बाली जीएमएस के आजीवन सदस्य बने तथा उन्होंने विजयंत बाली को 2100 रु. के अपने अपने चैक दिए।

श्री वरिन्द्र दत्त वैद तथा अरविन्द्र मेहता ने जानकारी दी कि माहिलपुर के अतिरिक्त गाँव चक्क कटारू, भारटा गणेशपुर तथा अन्य गाँवों से कई बाली परिवार इस बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर महिला विंग में से श्रीमती चन्द्रकान्ता दत्ता, शशिकान्ता बाली, अरूण बाली, बबिता बाली, रजनी बाली, शामिल थी। युवा विंग से निखिल बाली, अरविन्द मेहता, वरिन्द्रदत्त वैद, मनोहर लाल बाली, गोपाल कृष्ण बाली, रेनु बाली, बविता बाली और नवल दत्ता बाली शामिल थे।

–विजयंत बाली व मनोज दत्ता

स्त्री सभा यमुनानगर

सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती निशा मोहन के निवास स्थान पर हुई, गायत्री मंत्र के साथ मीटिंग की कार्यवाही शुरू हुई। सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की सभा में सभी बहनों ने भाग लिया सभा में नवर्ष की बधाईयां दी।

मोहयाल रत्न श्री बी.डी. बाली जी नवम्बर मास में मोहयाल आश्रम यमुनानगर पधारे पूरी मोहयाल बिरादरी ने उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर स्त्री सभा की सभी बहनें उपस्थित थी। जगाधरी वर्कशाप के सदस्य भी उपस्थित थे। श्री बी.डी. बाली जी ने मोहयाल बिरादरी यमुनानगर के साथ यमुनानगर मोहयाल आश्रम में निर्माण कार्य के लिए विचार–विर्मश किया, उन्होंने पूरी बिरादरी से सुझाव देने के लिए कहा।

श्री विपिन मोहन जी प्रधान ने यमुनानगर मोहयाल आश्रम निर्माण कार्य के लिए सुझाव भी दिए। श्री विनोद मेहता जी सेक्रेटरी व श्री दर्शनलाल बाली (वर्कशाप सभा) और श्रीमती कमला दत्ता जी (प्रधान) ने भी निर्माण कार्य के लिए सुझाव दिए।

श्रीमती प्रवीण बाली, सेक्रेटरी ने भी युमनानगर मोहयाल आश्रम में निर्माण कार्य के लिए सुझाव दिए और कहा कि श्री बी.डी. बाली और उनकी टीम ऐसे ही मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करते रहे।

रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने युवा वर्ग से अपील की युवा वर्ग मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करने के लिए आगे आए।

श्रीमती कमला दत्ता ने अपनी पड़पोती और श्री अश्विनी दत्ता जी और श्रीमती निशि दत्ता जी की पोती (अनिशा दत्ता) पुत्री श्री अभिषेक दत्ता और गौरी दत्ता के जन्म पर 500 रु. स्त्री सभा को भेंट किए। श्रीमती उषा दत्ता ने स्थापना दिवस पर 500 रु. दान दिए। स्व. श्री वी.डी. मेहता की पत्नी श्रीमती संतोष मेहता ने 1100 रु. स्थापना दिवस पर स्त्री सभा यमुनानगर को दिए। श्रीमती प्रवीण बाली ने स्वर्गीय श्रीमती लीलावंती बाली धर्मपत्नी स्व. श्री बिहारीलाल बाली की याद में 500 रु. सभा को भेंट किए।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

पच्चीसवाँ स्थापना दिवस

मोहयाल आश्रम में 25वां स्थापना दिवस स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर द्वारा मनाया गया। इस मौके पर स्त्री सभा की सभी बहनों ने भाग लिया। मोहयाल आश्रम में हवन किया गया।

स्त्री मोहयाल सभा युमनानगर की स्थापना स्वर्गीय श्रीमती शांति भाई ने की, जिस समय स्त्री सभा की स्थापना हुई, उस समय सभा में 4 सदस्य थे। स्व. श्रीमती शान्ति भाई, श्रीमती प्रवीण बाली, स्व. श्रीमती सवित्री दत्ता और श्रीमती कृष्णा दत्ता मोहयाल आश्रम यमुनानगर में पहली मीटिंग हुई थी। स्व. श्रीमती शान्ति भाई सभा की प्रधान थी, उन्होंने सभा में नये सदस्य बनाए वो गुणवान और शालीन स्त्री थी उनकी वाणी से निकला हुआ एक–एक शब्द मन को छू लेता था। वो अपने अंतिम समय तक भी मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करती रही उन्होंने सभा को सुचारु–ढंग से चलाया।

स्वर्गीय शान्ति भाई के बाद स्वर्गीय श्रीमती प्रेम मेहता ने स्त्री सभा का कार्य भार संभाला वो 3 साल तक प्रधान पद पर कार्यरत रही और सुचारु ढंग से सभा को चलाया। स्व. श्रीमती प्रेम मेहता जी के बाद श्रीमती कृष्णा दत्ता जी ने कार्यभार संभाला और 3 वर्ष तक प्रधान रह कर सभा को सुचारु रूप से चलाया। श्रीमती कृष्णा दत्ता जी के बाद श्रीमती कमला दत्ता जी ने प्रधान पद संभाला और वो

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सभी बहिनों के साथ मिलकर आज भी स्त्री सभा को सुचारू ढंग से चला रही हैं उन्होंने सभा में कई सुझाव भी पास किए हैं।

श्रीमती प्रेम दत्ता ने सभा में उपसचिव पर कार्य किया। श्रीमती प्रवीण बाली (सचिव) ने स्त्री मोहयाल सभा में स्वर्गीय श्रीमती शान्ति भाई जी के साथ मिलकर सभा का निर्माण किया सदस्य बनाए और आज भी सचिव पर रह कर मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य कर रही हैं। श्रीमती वीना वैद (कैशियर) और श्रीमती सुरक्षा मेहता भी निरन्तर मोहयाल बिरादरी के लिए सेवा कर रही हैं।

अंत में सभी बहनों ने प्रीति–भोज का आनन्द उठाया और नए साल की मुबारक देते हुए स्थापना दिवस संपन्न हुआ।

*-**श्रीमती परवीन बाली,** सचिव*

पानीपत

मोहयाल सभा की मासिक बैठक 9 फरवरी 2014 को जीएमएस सदस्य श्री ऋत मोहन जी की अध्यक्षता में श्री नरेन्द्र छिब्बर के थर्मल कालोनी स्थित निवास **स्थान** पर हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री महामंत्र के उच्चारण के पश्चात श्री वरिन्दर पाल सिंह बाली जी के निधन पर मौन रखा गया। वह जीएमएस के सदस्य थे तथा मोहयाल सभा बराड़ा की शान थे। सदस्यों ने परमात्मा से उनकी आत्मिक शान्ति की प्रार्थना की।

खन्ना मोहयाल सभा के सचिव श्री राजीव राय मेहता जी को शहर की मुख्य संस्था के स्कूल समिति में चुने जाने पर बधाई दी गई।

सदस्यों को मोहयाल आश्रम, वृंदावन में मार्च के अंत में लगने वाले 'मोहयाल यूथ कैंप' की जानकारी दी गई, तथा कहा गया कि युवा प्रतिनिधि इसी माह अपने नाम नोट करवा दें, ताकि समय रहते जीएमएस को भिजवाया जा सके। उल्लेखनीय है कि युवाओं में बिरादरी के प्रति आकर्षण व चेतना लाने के लिए जीएमएस लगातार इस प्रकार के प्रयास करती रही है, इस बार 3 दिवसीय यह आयोजन रायज़ादा बी.डी. बाली जी के नेतृत्व में सम्पन्न होगा। सर्वश्री नवीन वैद, लवनीश मेहता, बृजमोहन छिब्बर, सुमिल छिब्बर इत्यादि ने इस प्रयास के लिए जीएमएस की सराहना की।

10वीं व 12वीं कक्षाओं के छात्र–छात्राओं को उनकी वार्षिक परीक्षाओं के लिए शुभकामनाऐं दी गई। श्री लवनीश मेहता व श्रीमती पूजा मेहता जी की सुपुत्री ईशी मेहता का 30 जनवरी को जन्मदिवस था, इस मौके पर परिवार ने रात्रि भोजन के साथ–साथ, भगवती जागरण का भी आयोजन किया था परिवार को इसके लिए बधाई दी गई।

नई दिल्ली में 'मैरिट' संस्थान में चलाए जा रहे कोर्सों का लाभ उठाने के लिए भी सदस्यों से अपील की गई। उन्हें बताया गया कि यह सब कोर्स जहाँ पूरी तरह मात्रता प्राप्त है, वहीं हमारे बच्चों के लिए फीस भी आधी है।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई, सभा आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती अन्जू छिब्बर व श्री नरेन्द्र छिब्बर का धन्यवाद किया गया।

-नरेन्द्र मेहता
मो. 08222023131, 09416412184

बराड़ा

मासिक बैठक दिनांक 02.02.2014 को सभा के प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद जी के निवास **स्थान** पर हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। श्री विरेन्द्रपाल सिंह बाली जी के देहांत के बाद श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर को सभी सदस्यों की सहमति से नया सेक्रेटरी घोषित किया गया।

सभा में श्री लक्ष्मण देव छिब्बर जी ने अपने विचार प्रकट किए और कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता की जाए तथा सभा को बेहतर बनाया जाए, नए सदस्यों को जोड़ा जाए।

शोक संदेशः श्री वीरेन्द्रपाल सिंह बाली जी के निधन का शोक दो मिनट का मौन रख कर प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को प्रभु चरणों में **स्थान** मिले व परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति दे।

मोहयाल सभा के सदस्यों ने प्रधान जी को जलपान का धन्यवाद किया।

*-**रविन्द्र कुमार छिब्बर,** सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

अंबाला छावनी

दिनांकः 2.02.2014
स्थानः दीपक होम्योज़
उपस्थितः 12 सदस्य
प्रधानः श्री आई आर छिब्बर

मोहयाल प्रार्थना व गायत्रीमंत्रोच्चारण बाद सदस्यों द्वारा निम्नलिखित मोहयाल भाई–बहन जो पिछले दिनों प्रभु को प्यारे हो गए उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

1. कै. पारस राम वैद 26.12.2013 को देहांत हो गया।
2. स. वरिंद्रपाल सिंह बाली (बराड़ा) 16.01.2014 को
3. बलविंदर सिंह (निवासी पटियाला) 30.01.2013
4. देवेन्द्र कुमार वैद पुत्र विश्वामित्र वैद 14.08.2013
5. रिशपाल वैद (गाँव गोला) 31.08.2013

स्व. कै. पी.आर वैद जी के देहांत की वजह से सभा के प्रधान का पद रिक्त हो गया था तथा वार्षिक सभा चुनाव की अवधि पूरी होने के कारण सभा ने निम्नलिखित व्यक्तियों को र्निविरोध एक वर्ष के लिए चुन लिया।

श्री इन्द्रराज छिब्बर (प्रधान)–मो. 0171–2660305

सू.मे. आर.के.सी. दत्ता (उप प्रधान व अतिरिक्त महासचिव फाइनेंस) मो. 09729035429

श्री दीपक दत्ता, (सचिव)–दीपक होम्योज़ अंबाला कैंट

एनएचएफओ एमएल दत्ता–मो. 9896102843, 0171–2660368

सभा सदस्यों ने श्री आई आर छिब्बर तथा सहयोगी ऑफिस कार्यकर्ताओं को बधाई तथा शुभकामनाऐं दी। साथ ही निष्ठा तथा निर्पेक्षता से काम करेन की उम्मीद की।

रिज्युलेशनः सर्वसम्मिति से दो प्रस्ताव पारित हुए, पहला वर्ष 2014 से लोकल सभा की वार्षिक सदस्यता शुल्क 120 से 200 रु.,

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बच्चों/विद्यार्थियों की सदस्यता शुल्क 60 रु. से 100 रु. कर दिया गया।

दूसराः फाइनेंस सैक्रेटरी 1000 रु. की बजाए 2000 रु. कैश अपने पास रख सकेगा। इसका ब्यौरा वकायदा अंबाला कैंट संविधान के रूप में लिखा जाए। साथ ही विधवा धन सहायता फार्म 2014–15 के लिए भर कर सब विधवाओं के हस्ताक्षर करा के जीएमएस की कार्यवाही के लिए तैयार कर लिए गए। सू.मे. आरकेसी दत्ता जी ने अगली मासिक मोहयाल मीटिंग में सभा का 2013 का आमदनी खर्चा का विस्तार से बैलेंस शीट प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया।

अंत में प्रधान जी ने दीपक दत्ता व उसके परिवार को भव्य स्वागत व चाय नाश्ते के लिए धन्यवाद करते हुए सभा की समाप्ति की।

इन्द्रराज छिब्बर *(प्रधान)* — ***एमएल दत्ता*** *(महासचिव)*
मो. 9416464488 — *मो. 9896102843*

मोहयालों का पंजाब की संगीत परंपरा में योगदान

जेहलम से आने वाले मोहयाल अमीचन्द लौ, कवि, दर्दीले गायक और संत स्वभाव व्यक्ति थे। आर्य समाजी बनने में वे प्रथम थे। इनके भक्ति गीत श्रोताओं पर जादू डाल देते थे और 70 वर्षों से भली–भाँति गाए जाते थे और आज भी हैं।

वह नायब तहसीलदार थे। जेहलम में घोड़ों पर सरकारी यात्रा पर जाते हुए, जब इन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती के प्रवचन को सुना तो इनमें रूपान्तरण हुआ और वह चमकते हुए अद्वितीय कवि, गायक और प्रचारक बने वह माने हुए सर्वोत्तम गायक व गीतों के रचनाकार थे। एक गीत में उन्होंने लिखा "तुम्हारी दया से आनंद पाया वाणी से जाये वह क्यों कर बताया।" इन्हें 'भजनानंद' की उपाधि से विभूषित किया गया था।

संगीतकार हरीशचन्द बाली संगीत निर्देशक थे तथा शास्त्री संगीत के जालंधर घराने (पंजाब का घराना) से सबंधित थे जन्म 1906 में हुआ। कहते हैं कि इन्होंने ही के.एल. सहगल का चलचित्र जगत से परिचय कराया। बी.एन. सरकार इनकी आवाज़ सुनकर तत्काल उन्हें नौकरी पर रख लिया था।

मेहता ब्रह्मदत्त जेहलम के एक कठोर ग्रामीण थे। इनका व्यवासियक रचना एक छुद्र चौकीदार से बेहतर नहीं था परन्तु इनकी मधूर आवाज इन्हें एक आख्यान बना दिया। रात्रि व्याग्रता में ये रोमांटिक गीत छेड़ते तो इनके शोकाकुल शब्दागांक की अपनी धरौंदो से युवतियां का हृदय में जलन पैदा कर देते थे। वे पवित्र कटसराज में होने वाले उत्सवों में बड़ी धार्मिक सभाओं में अपने अपने गीतों से आनंदित कर देते थे तथा प्रेम से परिव्यक्त हृदय में जलन पैदा कर देते थे। बीस की संवेदनशील गायिका कलकत्ता की गौहर जान इनकी संगीत प्रतिभा से प्रभावित होकर इन्हें अपने साथ कलकत्ता से ठहरने के लिए निमन्त्रित किया। इनके ग्रामाफोन रिकार्ड विशेषकर आसाराग की रिकार्ड बिक्री हुई और रायल्टी के रूप में इन्हें सौभाग्य शाली बना दिया।

मेहता मदन मोहन बीस व तीस में संगीत प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति थे। इनकी अत्यन्त युवावस्था में मृत्यु हो गई, किन्तु इनके ग्रामाफोन रिकार्ड इनकी मृत्यु के बाद तीन पीढ़ियों तक संगीत प्रेमियों के लिए उमंग थे।

बी.एन. दत्ता लाहौर के थे इनका जन्म 1914 में बैंगलौर में हुआ था। यह ए.आइ.आर. में समीक्षक थे (1982)

इसी प्रकार एम.एल. बाली (मदनलाल बाली) 1915 में होशियारपुर में जन्मे। इनका भी शास्त्री संगीत में अच्छा नाम था। उपरोक्त अतिरिक्त संगीत में और भी मोहयाल हैं जिनका वर्णन आगे करेंगे। किन्तु श्री दीपक मेहता का नाम न लेना एक भूल होगी, इन्होंने तबला वादन में भारत भर में ही नहीं देश के बाहर भी ख्याति प्राप्त की।–***अमरनाथ दत्ता***

"सत्य वचन"

मन : सत्य क्या है?
विश्वास : सृष्टि को रचने वाला।

मन : मालिक के आखिर कितने नाम है?
विश्वास : अनगिनत।

मन : प्रेम क्या है?
विश्वास : इन्सान को इन्सान बनाए रखने वाली शक्ति।

मन : ईश्वर किसके साथ है?
विश्वास : सच्चे, ईमानदार इन्सानों के साथ।

मन : मालिक किस धर्म का है?
विश्वास : मालिक का कोई धर्म नहीं लेकिन सारे धर्म एक मालिक के लिए हैं।

मन : ईश्वर को कहाँ तलाशूँ है?
विश्वास : अपने भीतर।

मन : स्वयं में क्या देखूँ?
विश्वास : अपना अतीत, वर्तमान, स्वभाव और कर्म।

मन : तुम कौन हो?
विश्वास : मैं विश्वास हूँ।

मन : क्या सारे प्रश्न हल हो चुके हैं?
विश्वास : नहीं, जीवन, मृत्यु और मालिक सदा प्रश्न ही बने रहेंगे।

अपने कथन में सादगी रखो विषय व शब्दों का हेर–फेर मत करो।

–सूरज प्रकाश बाली, *प्रधान*
मोहयाल सभा, पाँवटा साहिब

प्रार्थना

मैं भारत के उन मोहयालों का, विशेष करके दत्त वंश का आभारी हूँ जिन्होंने पत्र लिखकर 'दत्त वंश' का पूरा इतिहास लिखने को कहा। मैं इस आयु में अकेला यह काम नहीं कर सकता। आप भारत में बसे मोहयालों और ब्राह्मणों से भी प्रार्थना है कि आपके पास जो सामग्री है उसे 31 मार्च तक इस पते पर भेज दें–

भाई वेद व्यास दत्ता, वीरमशाही, मेंढर, पूंछ (जम्मू–कश्मीर)–185211

मैं बड़े भाई जोश जी, लज्जा देवी मोहन जी, अशोक लव जी तथा अन्य लेखकों से प्रार्थना करता हूँ कि आप कौम की और मेरी सहायता करें ताकि भावी पीढ़ी को कुछ दे सकूं। जय मोहयाल! आपका सेवा–*भाई वेद व्यास दत्ता वीरमशाही।*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री गणेशाय नमः

न भूलने वाली यात्रा (बाबा ठक्कर समाधि)

कई वर्षो से दत्त वंश के जठेरों के बारे में हमेशा अपने घर पर पिताजी स्व. मेहता ओंकार दत्ता जी से सुनती थी। मन में तमन्ना थी कि कब मुझे मौका मिले एवम् मैं भी बाबा ठक्कर दी समाधि पर जो गुरूदासपुर है मथ्था टेकने जाऊँ। वहाँ हर वर्ष "बसन्त पंचमी" पर गुरूदासपुर मोहयाल सभा मेला करती है एवम् लंगर लगता है। इस वर्ष गुरूदासपुर मोहयाल सभा ने मुझे मेले में आने का निमन्त्रण भेजा। निमन्त्रण पाकर मैं खुशी के मारे उछल पड़ी क्योंकि कई वर्षों से मेरी हार्दिक इच्छा थी कि मैं "बाबा ठक्कर दी समाधि" पर जाऊँ। अपने बड़ों का आशीर्वाद लूँ। बिना बुलाए कभी भी नहीं जाना चाहिए, बड़ों ने अपनी बेटी को बुलाया। वह सिर के बल जाने को तैयार हो गई।

मुझे पता लगा हमारे आदरणीय श्री पी.के. दत्ता जी बाबा ठक्कर समाधि मथ्था टेकने जा रहे हैं। मैंने आपको फोन किया, आपने कहा चिन्ता मत करो टिकट हो जायेगी। हम अमृतसर आपको मिलेंगे और साथ चलेंगे। मेरा हौसला बढ़ा क्योंकि में पहली बार अकेले जा रही थी। मैंने अमृतसर चौधरी अनिल दत्ता से फोन पर बात की उसने तुरन्त मुझे कहा आंटी आप हमारे साथ गुरूदासपुर मथ्था टेकने चलना। हमारा परिवार हर वर्ष जठेरों को मथ्था टेकने जाता है। मैं दिनांक 03.02.2014 को अमृतसर स्वर्ण शताब्दी से पहुँच गई। वहाँ मेरा हरि गेस्ट हाउस में रहने का प्रबन्ध था। शाम मैंने स्वर्ण मन्दिर एवम् माता दे मथ्था टेका।

दिनांक 4.02.2014 प्रातः 8 बजे श्री अनिल दत्ता जी का फोन आया आप प्रातः 9 बजे तैयार रहना हम आपको गेस्ट हाउस पर लेने आ रहे हैं। ठीक प्रातः 9 बजे आप, श्रीमती वन्दना दत्ता, कु. नीधी दत्ता, मास्टर पार्थ दत्ता के साथ लेने आए एवम् हमारी कार गुरूदासपुर के लिए निकल पड़ी। बीच रास्ते में श्री पी.के. दत्ता जी का हमें फोन आता रहा आप चल पड़े कहाँ पहुँचे। हम गाँव जापूवाल में श्री अनिल दत्ता जी के चाचा जी रहते हैं वहाँ कार रुकी और कहा आन्टी यहाँ आपने ब्रेकफास्ट करना है। वहाँ श्री इन्द्रजीत दत्ता, श्रीमती रीता दत्ता ने हमारा स्वागत किया। आपके पास शाहदरा दिल्ली से भी एक परिवार आया था। मुझे पता लगा दत्ता जी की बेटी की ननद, ननदोई, उनका बड़े भाई साहब। वह भी मथ्था टेकने आए हुए थे। सभी एक दूसरे मिलकर बहुत प्रसन्न हुए। आपने लजीज नाश्ता खिलाया। आपका प्यार मुझे हमेशा याद रहेगा। पुनः आने का निमन्त्रण भी दिया। हम सभी ने नाश्ता कर वहाँ खेतों की हरियाली का आनन्द लिया। सभी गुरूदासपुर मथ्था टेकने के लिए चल पड़े। वहाँ श्रीमती प्रोमिला दत्ता, कु. मोनिका दत्ता, श्रीमती रीता दत्ता, कु. नीधी दत्ता, श्री इन्द्रजीत दत्ता, सभी दत्त परिवार मथ्था टेकने पहुँचे थे। हमारों की भीड़ थी व्यवस्था बहुत अच्छी थी। सर्वप्रथम दोपहर 12 बजे प्रार्थना एवम् आरती हुई। सभी लंगर एवम् प्रसाद खाकर जा रहे थे। बड़ों की कड़ाई सबको दी जा रही थी। दत्त परिवार को ही यह कड़ाई ग्रहण करने का हक है। वहाँ मुझे भी पूछा, आप दत्ता परिवार से हैं। मैंने कहा मैं दत्तों की लड़की हूँ। मुझे भी कड़ाई दी गई। मैंने बहुत खुश होकर कड़ाई खाई एवं प्रसाद ग्रहण किया। सभी भाई, बहिन, बच्चे, बूढ़े जठेरों का आशीर्वाद लेकर खुश थे। वहाँ श्री पी.के. दत्ता जी, श्रीमती प्रभा दत्ता जी, श्री अभिषेक दत्ता ने भी वहाँ हमारे साथ मथ्था टेक कर जठेरों का आशीर्वाद लिया।

श्री अनिल दत्ता ने कहा आंटी हम यहाँ आए हैं तो कुल गुरु दत्ता दे यहाँ ध्यानपुर में हैं। "बाबा लालदयाल जी की गुरुगद्दी" है। हम वहाँ भी जाते हैं। मैंने कहा चलो वहाँ चलूँगी। श्री पी.के. दत्ता जी, श्रीमती प्रभा दत्ता जी, श्री अभिषेक दत्ता भी ध्यानपुर (कुलगुरु दत्ता दे) आशीर्वाद लेने चल पड़े। यह गद्दी 1008 वर्ष पुरानी है। गद्दी पर श्याम सुन्दर दास जी गद्दी पर विराजमान थे। हम सबने गुरु जी का आशीर्वाद लेकर चल पड़े।

श्री पी.के. दत्ता जी परिवार के साथ हवाई अड्डे की तरफ प्रस्थान किया। हम कार द्वारा अमृतसर के लिए चल पड़े। ध्यानपुर से हरियाली एवम् खूबसूरत नजारें देखते हुए हम सायं 5 बजे अमृतसर श्री अनिल दत्ता जी के निवास स्थान पर पहुँचे। श्रीमती वंदना दत्ता जी ने चाय, नाश्ते से स्वागत किया एवम् मुझे हरि गेस्ट हाउस पहुँचाया। दिनांक 5.02.2014 प्रातः 4:30 पर कैब आई मैंने 5 बजे शताब्दी गाड़ी से अमृतसर से दिल्ली पहुँच गई। बाबा ठक्कर समाधि गुरूदासपुर में मथ्था टेकना कभी भी नहीं भूलूँगी। आप सबका आदर सत्कार हमेशा याद रखूँगी। किसी ने ठीक कहा है जहाँ चाह वहाँ राह......

*-**श्रीमती कृष्णलता छिब्बर,** सेक्रेटरी रिश्ते–नाते जी.एम.एस.*
मो. 09968667740, 011–26518522

विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ

देश के कोने-कोने में विभिन्न कक्षाओं की परीक्षाएँ दे रहे मोहयाल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ। आप सब बहुत अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हों।

दसवीं और बारहवीं कक्षाओं की परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। जनरल मोहयाल सभा गत दस वर्षों से प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित करती आ रही है। इस वर्ष आपको भी यह सम्मान प्रदान किया जा सकता है।

जनरल मोहयाल सभा की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ। आप बहुत अच्छे अंक लाएँ और अपना, माता-पिता का और मोहयालों का नाम रोशन करें।

स्वर्गीय रायज़ादा अनंतराम बाली की स्मृति में

स्वर्गीय रायज़ादा अनंतराम बाली की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला बाली व उनके पड़पौत्र व पड़पौत्री मास्टर रुद्राक्ष बाली (रुर्द) मास्टर अक्षत बाली (शैगी) बेबी यशिका बाली (कंगना) मास्टर कृष बाली (खैरी) बेबी ध्रुवी बाली (पायल) ने हजार रुपए स्वर्गीय रायज़ादा अनंतराम बाली मैमोरियल विड्डो फंड ट्रस्ट हेतु भेंट किए।

–पंकज बाली, जी.एम.एस. मैनेजिंग कमेटी सदस्य

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

वयोवृद्धा समाज-सेविका पुष्पा छिब्बर

श्रीमती पुष्पा छिब्बर मात्र 7 वर्ष की ही थी जब देश के बंटवारे के समय उनके परिवार को भी असंख्य अन्य परिवारों के साथ पलायन करके भारत आना पड़ा और उनका परिवार जालंधर की बस्ती गुजां में आकर बस गया। उनके पिता गिरदावर थे। यहीं उनका पालन–पोषण और पढ़ाई–लिखाई हुई और उन्होंने 8वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की।

सन् 1957 में उनका विवाह सेना में सेवारत हवलदार मेजर श्री खुशबख्त राय के साथ हुआ और उनसे इनके तीन बेटे हुए परंतु उनका विवाहित जीवन बहुत लम्बा न चल सका। 1965 की भारत–पाक लड़ाई में उन्हें सियालकोट सीमा पर भेज दिया गया। युद्ध की समाप्ति पर जब 1966 में वह घर लौट रहे थे तो रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई और श्रीमती छिब्बर के परिवार को उनका पार्थिक शरीर भी न मिला।

असामयिक वैधव्य से श्रीमती पुष्पा छिब्बर पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा परंतु उन्होंने हिम्मत न हारी और उस समय मिलने वाली मात्र 110 रुपए मासिक पेंशन के सहारे अपने बच्चों को पाला और उनके बच्चे भी छोटा–मोटा काम करके परिवार की आय में अपना योगदान देते रहे। समाजसेवा की ओर उनका रुझान किस प्रकार हुआ, इस संबंध में उन्होंने बताया कि एक बार जब वह सन्यास आश्रम जा रही थी तो उन्हें एक घर से एक महिला के जोर–जोर से रोने की आवाज सुनाई दी तो अनायास ही उनके कदम उस घर की ओर बढ़ गए। उन्होंने महिला से पूछा तो पता चला कि परिवार के पास खाने के लिए रोटी नहीं है और कोई सहारा भी नहीं।

श्रीमती छिब्बर के भाजपा नेताओं से बहुत अच्छे संबंध थे जिनसे कह कर उन्होंने इस परिवार को आर्थिक सहायता दिलवाई और उसके बाद इनका रुझान समाज सेवा की ओर मुड़ गया जो अभी तक जारी है। सबसे पहले वह रैडक्रास की सदस्य बन कर इसकी गतिविधियों में भाग लेने लगी और इसी क्रम में उनकी भेंट श्री विजय चोपड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती स्वदेश चोपड़ा से हुई, जिन्होंने समाज सेवा के कार्यों में श्रीमती छिब्बर को भरपूर सहयोग दिया।

इस बीच इन्होंने 'महिला उपकार संस्था' का भी गठन कर लिया जिसके माध्यम से और दानी सज्जनों और संस्थाओं के सहयोग से गरीब परिवारों की लड़कियों के विवाह, जरूरतंद लोगों को बिस्तर, रक्त व दवाएं दिलवाना, गरीब लोगों को अस्पतालों में भर्ती करवाना और जरूरतमंद बच्चों को कापियां–किताबें आदि दिलवाने के अलावा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीनें दिलवाना शामिल था।

यही नहीं, उन्होंने वर्षा के दिनों में बाढ़ पीड़ितों के लिए शिविर भी लगवाए, और प्रभावित लोगों के लिए भोजन का प्रबंध किया। 'पंजाब केसरी' के माध्यम से जम्मू–कश्मीर के विस्थापितों के लिए दो ट्रक राहत सामग्री भिजवाने के अलावा पंजाब केसरी द्वारा संचालित शहीद परिवार फंड में भी पर्याप्त योगदान दिलवाया। श्रीमती छिब्बर का ब्लड ग्रुफ ओ नैगेटिव है और उन्होंने स्वयं भी जरूरतमंद रोगियों के लिए अनेक बार रक्तदान किया।

समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए पंजाब के राज्यपाल द्वारा उन्हें 'सर्वोत्तम समाज सेविका' का रजत पदक और जालंधर के डिप्टी कमिश्नर द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जा चुका है। श्रीमती छिब्बर का कहना है कि वह अपने लिए कभी भी किसी से कोई सहायता नहीं लेती बल्कि पैंशन में से घर का खर्च निकालने के बाद जो रकम बच जाती है उसे भी वह जरूरतमंदों की सहायता पर खर्च कर देती है क्योंकि अब भगवान की दया से उनके दो बेटे भी सैटल हो गए हैं जबकि एक बेटा अकाल मृत्यु का शिकार हो गया।

उम्र बढ़ जाने के साथ–साथ अब श्रीमती छिब्बर की गतिविधियां घट गई हैं परंतु वह शाँत होकर नहीं बैठी। आज भी वह प्रतिवर्ष जरूरतमंदों को पाँच–छह सौ कम्बल बाँटने के अलावा यथासंभव अन्य सहायता भी प्रदान करती है। सामाजिक कार्यों के अलावा वह धार्मिक अभियानों के साथ भी जुड़ी हुई है। वह 'उपकार दशहरा कमेटी' में भी शामिल हैं जो प्रतिवर्ष दशहरे पर शोभायात्रा निकालती है। इसके अलावा वह रामनवमी पर लंगर आदि का आयोजन भी करवाती हैं। निजी जीवन में अपने दारुण दुःख को भुला कर श्रीमती पुष्पा छिब्बर ने समाज के समक्ष निष्पक्ष, निष्काम सेवा का एक अनुकरणीय उदाहरण स्थापित किया है और अपनी बातचीत भी उन्होंने इसी वाक्य से समाप्त की, "यदि मेरे जीवन से प्रेरणा लेकर एक भी व्यक्ति या संस्था समाज सेवा के लिए आगे आता है तो मैं अपना जीवन सफल मानूँगी।"–*पंजाब केसरी से साभार*

स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल की चौथी पुण्य-तिथि

स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल धर्मपत्नी मेहता विश्वामित्र भीमवाल का स्वर्गवास दिनांक 3.12.2009 को उनके बड़े बेटे मैहता नीरज भीमवाल व श्रीमती पूनम भीमवाल के घर अहमदाबाद गुजरात में हुआ। उनकी चौथी पुण्य–तिथि दि. 02.12.2013 को उनके निवास स्थान गली नं.2 कोठी फैज श्री गंगानगर रोड, अबोहर (पंजाब) में मनाई गई।

इस अवसर पर समस्त भीमवाल परिवार व मोहयाल बिरादरी व मित्रगण उपस्थित थे। इस अवसर पर घर में हवन, कीर्तन व ब्राह्मणों को भोजन करवाया गया। सभी कार्य बेटे व बहुओं की उपस्थिति से हुए। स्व. श्रीमती सरला भीमवाल स्व. श्री मैहता नरनारायण भीमवाल जी व श्रीमती लाजवंती भीमवाल करियाला जिला जेहलम (पं. पाक) की पुत्र वधु थी। एवम् स्व. श्री राम रखामल वैद जी व स्व. श्रीमती सत्या देवी जी वैद जलालपुर जट्टां, जिला गुजरात (पं. पाक.) की सुपुत्री थी।

इस अवसर पर भीमवाल परिवार ने 500 रु. जी.एम.एस. के एजूकेशन फंड के लिए भेंट किए।–*मैहता विश्वामित्र भीमवाल, मं.नं.1172, सै. 18सी, चण्डीगढ़ (मो.) 9780160085*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्वर्गीय श्री रमेशचन्द्र मैहता (भिमवाल) की दूसरी पुण्य-तिथि

स्वर्गीय श्री रमेशचन्द्र मैहता जी सुपुत्र स्व. मैहता नरनारायण जी भीमवाल व स्व. श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल करियाला, जिला जेहलम

(पं. पाक.) का जन्म मु.पो. भंगर खेड़ा त. अबोहर जिला फिरोजपुर (पंजाब) में दिनांक 14.05.1929 को हुआ। स्व. श्री रमेशचन्द्र मेहता की दूसरी पुण्य-तिथि दिनांक 12.11.2013 को उनके निवास स्थान कोठी नं.829 सैक्टर-16, पंचकूला (हरियाणा) में मनाई गई।

इस अवसर पर समस्त भीमवाल परिवार व मोहयाल बिरादरी व मित्रगण उपस्थित थे। सुन्दर काण्ड का पाठ व कीर्तन करवाया गया। स्व. श्री रमेशचन्द्र मैहता की धर्मपत्नी श्रीमती बिमला मैहता जी ने जी.एम.एस. को एजूकेशन फण्ड के लिए 500 रु. भेंट किए।

—श्रीमती बिमला मैहता, कोठी नं. 829, सैक्टर 16, पंचकूला हरियाणा (मो.) 9878308973, 0172—2564506

स्वर्गीय मैहता कुलभूषण भिमवाल की चौथी पुण्य-तिथि

स्वर्गीय मैहता कुलभूषण भीमवाल सुपुत्र मेहता शिव कुमार भीमवाल व श्रीमती पुष्पा देवी भीमवाल तथा पोता स्व. मेहता नरनारायण

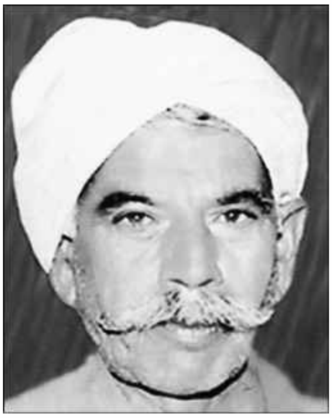

भीमवाल एवं श्रीमती स्व. लाजवन्ती भीमवाल, करियाला जिला—जेहलम (पं. पाक.) का जन्म बूड़िया गाँव जिला अम्बाला तहसिल—जगाधरी में दिनांक 7.07.1948 को हुआ। तथा इनका निधन दिनांक 1.01.2010 को श्री गंगानगर (राजस्थान) में हुआ।

स्व. मेहता कुलभूषण भीमवाल जी की चौथी पुण्य—तिथि उनके निवास स्थान मु.पो. सिरदारपुरा जीवन, त. सादुलशहिर, जिला श्री गंगानगर (राज.) में मनाई गई। घर में हवन व कीर्तन करवाया, ब्राह्मण भोज भी करवाया। भीमवाल परिवार व मित्रगण उपस्थित थे। इस अवसर पर स्व. मेहता कुलभूषण भीमवाल जी के पिता मैहता शिवकुमार भीमवाल जी ने जीएमएस को एजूकेशन फण्ड के लिए 500 रुपए दान दिए।*—मैहता शिवकुमार भीमवाल, श्रीगंगानगर (राज.) द्वारा— मैहता विश्वामित्र भीमवाल, (मो.) 9780160085*

सुबह उठने पर नए दिन का स्वागत करें। हाथ जोड़कर भगवान को धन्यवाद दें कि आप एक और सूर्योदय देख रहे हैं। परिवार के सदस्यों से मुस्कराकर मिलें। यथायोग्य अभिवादन करें। रोजना एक अच्छा काम ज़रूर कर

श्री प्रेमप्रकाश दत्ता को श्रद्धांजलि

श्री प्रेम प्रकाश दत्ता पुत्र श्री फिरोज चन्द दत्ता, 430—आर, मॉडल टाउन, यमुनानगर की प्रथम पुण्य—तिथि पर उनकी पत्नी श्रीमती संतोष दत्ता, पुत्र संदीप दत्ता, दिवाकर दत्ता, रजत दत्ता, पुत्रवधू श्रीमती भावना, पूर्णिमा, पोतियाँ शावी एवम् प्रीत दत्ता ने उन्हें 8 दिसम्बर 2013 को सपरिवार श्रद्धांजलि दी। उनकी स्मृति में परिवार ने जी.एम.एस. विधवा फंड के लिए 500 रु. भेंट किए।

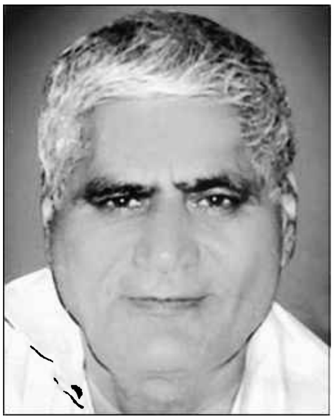

—श्रीमती सन्तोष दत्ता (पत्नी), सन्दीप दत्ता—भावना, दिवाकर दत्ता—पूर्णिमा, रजत दत्ता (पुत्र—पुत्रवधूवें), शावी दत्ता, प्रीत दत्ता (पोतियां)

श्री मदनमोहन (छिब्बर) की चौबरसी

पूज्य श्री मदन मोहन मेहता (छिब्बर) सुपुत्र स्व. श्री मलिक चन्द मेहता जिनका आकस्मिक देहांत 10 सितम्बर 2010 को पाँवटा साहिब में हुआ था, को चौबरसी के अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया तथा इस पुण्य—तिथि पर पूरे परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री मदनमोहन मेहता जी बहुत निष्पक्ष व स्पष्टवादी प्रवृति के थे। श्री मेहता जी की सुपुत्रियाँ श्रीमती चेतना व दिव्या सम्पन्न परिवारों में शादी शुदा व सुखी हैं। इनके बेटे श्री संदीप मेहता चण्डीगढ़ में अपनी माताजी के साथ रहते हैं व अपनी पूर्ण जिम्मेवारी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं। इस अवसर पर श्री अशोक मेहता जो कि इनके छोटे भाई हैं ने जनरल मोहयाल सभा को 200 रुपए भेंट किए।

—अशोक मेहता (छिब्बर), पाँवटा साहिब (मो.) 9816271229

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

- रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे—छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई—मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।
- प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।
- मोहयाल मित्र में छपे फ़ार्म को भरकर वार्षिक सदस्यता ग्रहण करें। वार्षिक सदस्यता शुल्क सौ रुपए है।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor